पुणना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Class-V

Hindi

Specimen copy

Year- 2020-21

Semester- 2

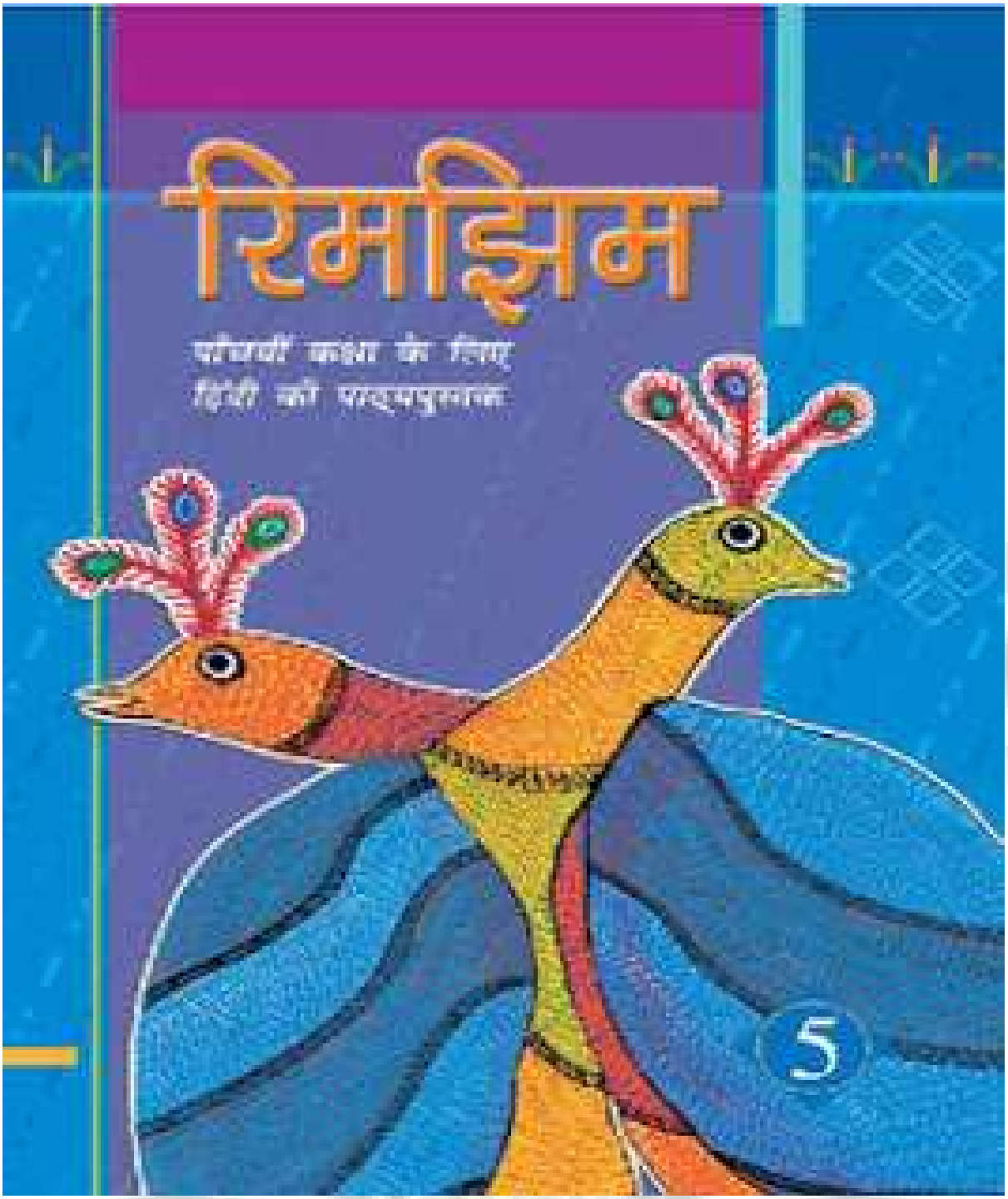
रिमझिम
पाँचवीं कक्षा के लिए
हिंदी की पाठ्यपुस्तक
5

पाठ- 15 बिशन की दिलेरी

- प्रतिभा नाथ

* कठिनशब्द

1- फार्महाउस
2- छिड़काव
3- कीटनाशक
4- तड़क
5- पगडंडी
6- सहमकर
7- सीढ़ीनुमा
8- फ़सल
9- कँटीले
10- खरोंचो
11- बरामदा
12- ढ़लवाँ

* शब्दार्थ

1- कीटनाशक- कीड़े मारने की दवा
2- तड़के- सुबह-सवेरे
3- सीढ़ीनुमा- सीढ़ी जैसे खेत
4- कँटीले- काँटे वाली
5- बरामदा- घर के बाहर का हिस्सा
6- ढ़ँलवा- ढ़लान वाला

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1- गेहुँ के खेतों में तीतरों का जमावडा कब लगताहै?

उ- जब फ़सल पक जाती है, तब तीतरो का जमावडा लगताहै।

2- तीतर कहाँ फँसा छटपटा रहा था?

उ-तीतर गेहुँ की बालियों क बीच फँसा छटपटा रहा था।

3- तीतर को बचा कर भागने के कम में कमीज़ फटने पर भीबिशन को किस बात का- संतोष था?

उ- तीतर को बचाकर भागने के कम में कमीज फटने पर भी बिशन को इस बात का ळ संतोष था कि उसने तीतर को बचालिया।

4- शिकारियों को कर्नलसाहब से क्या उम्मीद न थी?

उ- शिकारियों को उम्मीद न थी कितीतरों क शिकार पर कर्नलसाहब उन्हें डाँट देंगे।

5- कर्नलसाहब को घायल तीतर के उड़ने पर संदेह क्यों था?

उ- कर्नलसाहब को घायल तीतर के उड़ने पर संदेह था क्यो कि वह जानते थे कि टूटे पाँव से तीतर उड़ नहीं सकेगा।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

1- बिशन रोज़ सवेरे कहाँ और किस उददेश्य से जाता था?

उ- बिशनरोज़ कर्नलसाहब के फारम हाउस जाता था। उसकी पत्नी उसकी पढ़ाई में मदद करती थी।

2- बिशन को छिपने के लिए चिमनीके पीछे कीजगह सुरक्षित क्यों लगी?

उ- चिमनीके पीछे छिपने से बिशन सब को देखसकता था। परन्तु उसे कोई नहीं देख

सकता था इसलिए वहजगह सुरक्षित लगी।

3- कर्नलसाहबऔर उनकीपत्नी ने तीतर को किस प्रकारमददपहुँचाई?

उ- कर्नलसाहब ने तीतरकीमरहम पटटी करकेऔर उनकीपत्नी ने दलियाखीलाकर तीतरकीमददकी।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

1- बिशन को पिछले वर्ष कीकौन-सी घटना याद आई?

उ- बिशन को याद आई पिछले वर्ष किसतरहशिकारियों ने ढ़ेरोतीतर मारे थे और- ज्यादा घायल खेतों में छोड़ गए थे।

2- बिशननेशिकारियों के विषय में क्या सोचा?

उ- बिशननेशिकारियों के विषय में सोचाकि बहुत दुःखपहुँचाने वालाकामकरतेहैं। इन्हें सबकसिखाना चाहिए।

व्याकरण-विभाग : उपसर्ग

उपसर्ग दो शब्दों से मिलकर बना होता है उप+सर्ग। उप का अर्थ होता है समीप और सर्ग का अर्थ होता है सृष्टि करना।

संस्कृत एवं संस्कृत से उत्पन्न भाषाओँ में उस अव्यय या शब्द को उपसर्ग कहते है। अथार्त शब्दांश उसके आरम्भ में लगकर उसके अर्थ को बदल देते हैं या फिर उसमें विशेषता लाते हैं उन शब्दों को उपसर्ग कहते हैं।

<u>हिन्दी के उपसर्ग</u>

- अ- अभाव, निषेध - अछूता, अथाह, अटल
- अन- अभाव, निषेध - अनमोल, अनबन, अनपढ़
- कु- बुरा - कुचाल, कुचैला, कुचक्र
- दु- कम, बुरा - दुबला, दुलारा, दुधारू
- नि- कमी - निगोड़ा, निडर, निहत्था, निकम्मा
- औ- हीन, निषेध - औगुन, औघर, औसर, औसान
- भर- पूरा - भरपेट, भरपूर, भरसक, भरमार
- सु- अच्छा - सुडौल, सुजान, सुघड़, सुफल

लेखन–विभाग : दीपावली

दीपावली अर्थात दीपों का त्यौहार रोशनी का त्यौहार, दीपावली हिंदुओं का सबसे पवित्र और सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है दीपावली या दीवाली किसी भी नाम से पुकारे ये त्यौहार आनंद और प्रकाश ही फैलता है।

यह भारतीय संस्कृति का सर्वप्रमुख त्यौहार है यह प्रतिवर्ष कार्तिक अमावस्या को मनाया जाता है 'तमसो मा ज्योतिर्गमय 'अंधेरे से ज्योति अर्थात प्रकाश की ओर जाइये यह अपने उपनिषदों की आज्ञा मानी जाती है अर्थात प्रत्येक मनुष्य अपने जीवन के गम के अंधेरों को खत्म करके उजाले की ओर जाए अपने मन के अंधेरों को भी खत्म करे यही दीपावली का त्यौहार है।

दीपावली त्यौहार कार्तिक अमावस्या के दिन मनाया जाता है लेकिन यह त्यौहार पांच दिनों का होता है जिनमें (धनतेरस ,नरक चतुर्दशी, अमावस्या ,कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा ,भाई दूज ,)होता है इसलिए यह धनतेरस से शुरू होकर भाई दूज पर खत्म होता है। पर इसको मनाने की खुशी इतनी होती है। इसकी तैयारी महीनो पहले से ही होने लगती है। दीपावली त्यौहार की तारीख तो हिंदू कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती है परंतु ये अक्टूबर, नवंबर, में मनाया जाता है।

दीपावली मनाने की कई कथाएं प्रचलित हैं पर हम सब जानते हैं कि दीपावली के दिन। भगवान् श्री राम सीता मैया और लक्ष्मण के साथ असुरराज रावण को मार कर अयोध्या नगरी वापस आए थे, तब नगर वासियों ने उनके आने की खुशी में अयोध्या को साफ-सुथरा करके दीपों से और फूलो, रंगोली, से पूरी अयोध्या नगरी को इस तरह सज़ा दिया की मानो जैसे वो एक दुल्हन हो तब से लेकर आज तक यह परम्परा चली आ रही है। कार्तिक अमावस्या के गहन अन्धकार को दूर करने के लिए दीपों को प्रज्वलित किया जाता है और घर आंगन, और हर जगह को जगमगा दिया जाता है।

गतिविधि–बिशनऔरतीतर का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

पाठ-16 पानी रे पानी

- अनुपममिश्रा

* कठिनशब्द

1- भूगोल
2- जल-चक
3- दफ्तरों
4- कारखानों
5- बेवक्त
6- तू-तू-मैं-मैं
7- झगडे-टंटो
8- भयानक
9- भंडार
10- समृदध
11- जलस्त्रोतों

* शब्दार्थ

- जल-चक- पानीबरसने का कम
- समस्याओं- कढ़िनाई
- बेवक्त- असमय
- भंडार- कोष, खज़ाना
- तू-तू-मैं-मैं- झगडाकरना
- हालात- परिस्थिति

- जल-स्त्रोतो- पानी का जरियायापानीके साधन

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1- नलों से सूँ-सूँ की आवाज़ कब आती है?

उ- जब पूरे समय नलो में पानी नहीं आता तब नल खोलने पर सूँ-सू की आवाज़ आती है।

2- जल-संकट से निपटने के लिए हमें किन दो चीज़ो को ठीक से समझने औरसँभालने की आवश्यकता है?

उ-जल-संकट से निपटने के लिए हमें जल-चक को ठीक से समझना होगा। नदी,तालाबो की रखवाली करनी होगी।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

1- नलों क पाइप में मोटर लगाकर आजकल पड़ोसियों का हककिस प्रकार छीनन जा रहाहै।आगेचलकर इससेकौन-सी भीषण समस्या उत्पन्नहोतीहै?

उ- नलो क पाइप में मोटर लगाकर पानी खींचने से पानी एक और खिच जाता है फिर पानी की बड़ी समस्या उत्पन्न होती है और पैसो से पानी बीकना शुरु हो जाताहै।

2- हमें प्रकृति से पानी का खजानाकैसे प्राप्तहोताहै?

उ- यदि हम वनों की रक्षा करें, शहरों में वृक्षों का ज्यादारोपण करे, प्रदूषण फैलानेवाले पदार्थो का उपयोग कम करे, नदियों क किनारे भवन, फैक्ट्रीनिर्माण न करवाए तो हम प्रकृति से कुँए, तालाबों, नदियों से वर्षा से पर्याप्तजल ले पाएँगें।

* दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1- पुस्तकों में जल-चक को किस प्रकार दर्शाया जाताहै?

उ- पुस्तकों में जल-चक को बहुत ही सुंदर चित्र दवारा दर्शाया जाता है जिसमें

सूरज, समुद्र, भाप, बादल,धरती पर पडती बरसात की बूँदे फिर नदियों में पानी का स्तर,बहाव और उसी सुंदर बहती नदी किनारे हमारा गाँव और शहर

हरे-भरे खेत। इस तरह सुंदर जल-चक दर्शाया जाता है।

2- नलों में पानी को लेकर कौन-कौनसी समस्याएँ उत्पन्नहोतीहै? उनका हम

पर क्या प्रभाव पड़ताहै?

उ- जब पानी की कमी पड़ती है तब पूरे समय नलों में पानी नहीं आता है।

पानी आता भी है तो बेवक्त आता है। कभी आधी रात को, कभी सुबह सवेरे। पानी को लेकर कभी-कभी आपस में लडाई झगड भी हो जाता है।कई लोग पाइप में मोटर लगाकर पानी खींच लेतेहै। जिससे पानी की परेशानी-बढ़ जातीहै। मजबूरी में कई बार लोग पानी खरीदकरकर लाते हैऔर-उपयोग में लेतेहै।

3- अकाल और बाढ़ एक ही सिक्के के दो पहलूहैं। कैसे?

उ- बिगडते हुए मौसम चक्र व कम वर्षा के कारण अकाल जैसी स्थिति पैदा-हो जाती है और जब वर्षा कम होने लगती है तब साफ़ पानी भी बह जाता है। उनका संग्रह हो पाना मुश्किल हो जाताहै। कही-कही इतनी वर्षा हो ळजाती है कि बाढ़ में अच्छे-अच्छे शहर डुब जातहै। इस तरह पानी का कम होना या ज्यादा होना एक ही सिक्के के दो पहलूहैं।

व्याकरण-विभाग : प्रत्यय

शब्दों के बाद जो अक्षर या अक्षर समूह लगाया जाता है, उसे प्रत्यय कहते है।
जैसे- 'भला' शब्द में 'आई' प्रत्यय लगाकर 'भलाई' शब्द बनता है।

प्रत्यय दो शब्दों से बना है- प्रति+अय। 'प्रति'का अर्थ 'साथ में, 'पर बाद में' है और 'अय' का अर्थ 'चलनेवाला' है। अतएव, 'प्रत्यय' का अर्थ है 'शब्दों के साथ, पर बाद में चलनेवाला या लगनेवाला। प्रत्यय उपसर्गों की तरह अविकारी शब्दांश है, जो शब्दों के बाद जोड़े जाते है। जैसे- 'भला' शब्द में 'आई' प्रत्यय लगाने से 'भलाई' शब्द बनता है। यहाँ प्रत्यय 'आई' है।

सजावट	सज	+	आवट

पठनीय	पठ	+	अनीय
गवैया	गा	+	वैया
भुलक्कड़	भूल	+	अक्कड़
चलाऊ	चल	+	आऊ
झगड़ालू	झगड़ा	+	आलू
खिलौना	खेल	+	औना

लेखन-विभाग : निबंध- क्रिसमस

क्रिश्चियन समुदाय के लोग हर साल **25** दिसंबर के दिन क्रिसमस का त्योहार मनाते हैं। यह ईसाइयों का सबसे बड़ा त्योहार है। इसी दिन प्रभु ईसा मसीह या जीसस क्राइस्ट का जन्म हुआ था इसलिए इसे बड़ा दिन भी कहते हैं।

क्रिसमस के **15** दिन पहले से ही मसीह समाज के लोग इसकी तैयारियों में जुट जाते हैं। लगभग एक सप्ताह तक छुट्टी रहती है और इस दौरान बाजारों की रौनक बढ़ जाती है। घर और बाजार रंगीन रोशनियों से जगमगा उठते हैं।

क्रिसमस के कुछ दिन पहले से ही चर्च में विभिन्न कार्यक्रम शुरू हो जाते हैं जो न्यू ईयर तक चलते रहते हैं। मसीह गीतों की अंताक्षरी खेली जाती है, विभिन्न प्रकार के गेम्स खेले जाते है, प्रार्थनाएं की जाती हैं आदि। ईसाई समुदाय के लोगों द्वारा अपने घरों की सफाई की जाती है, नए कपड़े खरीदे जाते हैं एवं विभिन्न प्रकार के व्यंजन भी बनाए जाते हैं।
इस दिन के लिए विशेष रूप से चर्चों को सजाया जाता है और प्रभु यीशु मसीह की जन्म गाथा को नाटक के रूप में प्रदर्शित किया जाता है।

कई जगह क्रिसमस की पूर्व रात्रि, गि रिजाघरों में रात्रिकालीन प्रार्थना सभा की जाती है जो रात के **12** बजे तक चलती है। ठीक **12** बजे लोग अपने प्रियजनों को क्रिसमस की बधाइयां देते हैं और खुशियां मनाते हैं।

क्रिसमस की सुबह गि रिजाघरों में विशेष प्रार्थना सभा होती है। कई जगह क्रिसमस के दिन मसीह समाज द्वारा जुलूस निकाला जाता है। जिसमें प्रभु यीशु मसीह की झांकियां प्रस्तुत की जाती हैं। सिर्फ ईसाई समुदाय ही नहीं, अन्य धर्मों के लोग भी इस दिन चर्च में मोमबत्तियां जलाकर प्रार्थना करते
हैं।

क्रिसमस पर बच्चों के लिए सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र होता है सांताक्लॉज, जो लाल और सफेद कपड़ों में बच्चों के लिए ढेर सारे उपहार और चॉकलेट्स लेकर आता है। यह एक काल्पनिक किरदार होता है जिसके प्रति बच्चों का लगाव होता है। ऐसा कहा जाता है कि सांताक्लाज स्वर्ग से आता है और लोगों को मनचाही चीजें उपहार के तौर पर देकर जाता है। यही कारण है कि कुछ लोग सांताक्लाज की वेशभूषा पहन कर बच्चों को भी खुश कर देते हैं।

गतिविधि- कुदरती दृश्य का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।